

५/२/२१

वकीलवादी उप० नहीं। बार बार आवान
दिगाई गई। कोई उपस्थित नहीं। वकील
वादी को अन्तिम आवान साथ ५.३० बजे
दिगाई गई। वकीलवादी उप० नहीं।
अतः प्रार्थी का प्रार्थन पत्र अदक हाजरी
व अदम पैरवी में खाफ़ि किया जाता है।
पञ्जावणी नामक से कक दोक़ा वर तक
मूक दोक़े के साथ संलग्न है। (सुनाया गधर)

सहायक कलक्टर
अलवर

